रजिस्ट्री सं० डी० 221 REGISTERED No. D. 221

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 178] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 11, 1969/कार्तिक 20, 1891

No. 178] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 11, 1969/KARTIKA 20, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th November 1969

No. 3/16/69-Pub.II.—The President has learnt with deep regret of the death at 0010 hours on 9th November, 1969 of Dr. Palathinkal Varkey Cherian, Governor of Maharashtra.

Dr. Cherian had rendered distinguished service to the country in various spheres and won the esteem and affection of one and all. He was an outstanding surgeon, an eminent educationist, a capable administrator and an efficient and popular Governor.

Born on 9th July 1893 of a well-known family from Alleppy in Kerala, Dr. Cherian graduated from the Madras Medical College. He served in the Indian Army from 1918 to 1922 and later specialised in ear, nose and throat diseases at London, Glasgow, Edinburg and Vienna. On his return to India in 1927 he joined the Madras Medical College and had a distinguished career as a member of the medical profession. He was a member of the Madras University Syndicate and the Vice-Chancellor of Annamalai University.

On retirement in 1948 he became the Mayor of Madras and later for 12 years from 1952 he was the Chairman of the Madras Legislative Council. He was appointed as the Governor of Maharashtra on 14th November, 1964.

Dr. Cherian was the holder of an important papal honour, the Knight of St. Gregory the Great. He was a man of wide culture, varied interests and rare social gift and charm. In his death, the country has suffered an irreparable loss.

L. P. SINGH, Secy.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1969

सं० 3/1669–पब्लिक( ) :—राष्ट्रपति को यह समाचार पाकर गहरा दुःख हुआ कि महाराष्ट्र के राज्यपाल डा० –लधिमल वर्के चेरीयन का 9 नवम्बर, 1969 को 00–10 बजे देहावसान हो गया ।

डा० चेरीयन ने विभिन्न क्षेत्रों में देश की विशिष्ट सेवा की थी और सभी से उनको श्रद्धा और प्रेम प्राप्त हुआ था । वे श्रेष्ठ सर्जन, प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री, सुयोग्य प्रशासक और कुशल तथा लोकप्रिय राज्यपाल थे ।

डा० चेरीयन का जन्म अलेप्पी (केरल) के एक सुप्रसिद्ध परिवार में 9 जलाई, 1893 को हुआ था । उन्होंने मद्रास मेडिकल कालेज से उपाधि प्राप्त की तथा भारतीय सेना में सन् 1918 से लेकर 1922 तक सेवा की । बाद में लंदन, ग्लासगो, एडिनबरा और वियाना में रह कर आंख, नाक और गले के रोगों में विशेषज्ञता प्राप्त की । सन् 1927 में भारत लौटने पर वे मद्रास मेडिकल कालेज में प्राध्यापक बने । चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सक के रूप मे उन्होंने विशिष्ट एवं सम्माननीय कार्य किया । वे मद्रास विश्वविद्यालय की सिंडीकेट के सदस्य थे और अन्नमलै विश्वविद्यालय के उपकुलपति भी रहे ।

सन् 1948 में सेवा निवृत्त होने पर वे मद्रास के मेयर बने और बाद में सन् 1952 से 12 वर्ष तक मद्रास विधान परिषद् के अध्यक्ष रहे । 14 नवम्बर, 1964 को उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया ।

डा० चेरीयन को पोप द्वारा 'दि नाइट आफ सेंट ग्रेगारी दि ग्रेट' की महत्वपूर्ण उपाधि से विभूषित किया गया था । वे उदार सांस्कृतिक मान्यताओं, विविध अभिरुचियों, अलभ्य सामाजिक गणों से युक्त मिलनसार और आकर्षक व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे । उनकी मृत्यु से देश को ऐसी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती ।

ल० प्र० सिंह, सचिव ।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1969